कन्या हाईस्कूल में घटी घटना, संदेह में संपूर्ण स्टॉप

पंचनामा बनाकर थाने में दिया गया आवेदन

कान्हीवाड़ा नवभारत। शासकीय कन्या हाई स्कूल कान्हीवाड़ा में 5 फरवरी को 10 वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं का विद्यालय परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया जहां 10 वीं में अध्ययनरत छात्राओं का विद्यालय परिवार ओर कक्षा 9 वीं की छात्राओं ने मिलकर सम्मान किया गया ओर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अच्छे अंकों से पास हो 11वीं कक्षा में प्रवेश करने की शुभकामनाएं प्रेषित की ओर आयोजन सम्पन्न हुआ के बाद कुछ छात्राएं शिक्षिकाओं को गुरूप फोटो लेने की बात कह कर अध्ययन कक्ष की ओर चली गई जहां फोटो लेने के उपरांत हॉल में लगे पंखे की पंखिया मोड़ने लगी ओर कुछ छात्राओं ने कमरे को अस्त व्यस्त कर दिया ओर उन्हीं में से एक छात्रा ने ईट की सहायता से हॉल में लगी लगभग 52 इंच एलसीडी को फोड़ने का कृत किया जो वायरल

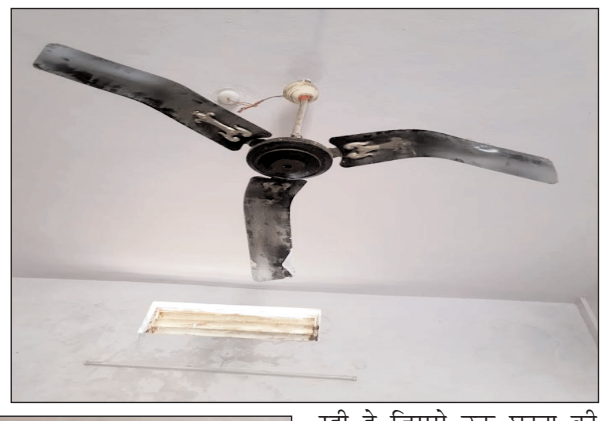

वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा हे पंखे की पंखिया मोड़ने ओर एलसीडी को फोड़ने के पीछे छात्राओं का क्या उद्देश्य रहा होगा यह तो जांच ओर शोध का विषय है।

विदाई समारोह के आयोजन उपरांत सभी छात्राएं ओर विद्यालय का स्टॉप अपने अपने निवास की ओर प्रस्थान कर गए दूसरे दिन 6 फरवरी को तय समय में जब विद्यालय खुला तब उक्त हॉल को भी खोला गया तब उक्त घटना की जानकारी सभी को लगी तब विद्यालय प्रमुख ओर स्टॉप ने ग्राम पंचायत सरपंच को बुलाकर पंचनामा बनवाया ओर पुलिस प्रशाशन को भी आवेदन दिया गया। घटना के संबंध में प्राचार्य से जब संपर्क किया गया तब उन्होंने यही बताया कि हमारे द्वारा उचित कार्यवाही की गई हे ओर सरपंच को बुला पंचनामा बनाया गया हे ओर थाने में आवेदन दिया गया हे। नगर में उक्त घटना की निंदा की जा रही हे ओर छात्राओं पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग भी की जा रही हे जिससे उक्त घटना की पुनरावृत्ति न हो सके कार्यवाही न होने की दशा में आंदोलन करने की भी चर्चाएं नगर में हो रही हे ओर नागरिकों का कहना हे इस तरह की घटना पहली बार हुई हे जो चिंता की बात हे।

कक्षा 9 वीं की छात्राओं ने भी चिंता व्यक्त की हे ओर ऑनलाइन होने बाली पढ़ाई कैसे करपाएगे इस बात की चिंता अभी से सताने लगी हे। अब प्रश्न यह उठता हे कि टूटे पंखे ओर फूटी एलसीडी की भरपाई कैसे होगी यह सब भविष्य की गर्त में हे।

किसान के बेटे ने पेश की मिसाल

संदीप साहू बने लोक सेवक, पीएससी में पाई 631वीं रैंक

छपारा नवभारत। कहते हैं कि अगर इरादे बुलंद हों और मेहनत में सच्चाई हो, तो अभाव कभी भी सफलता की राह में रोड़ा नहीं बन सकते। इसे सच कर दिखाया है सिवनी जिले के छपारा क्षेत्र के ग्राम बिहिरिया निवासी संदीप कुमार साहू ने। संदीप ने संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में 631वीं रैंक हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का सपना पूरा किया, बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है। खेतों से शुरू हुआ कामयाबी का सफर. संदीप का जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। उनके पिता इतू लाल साहू गांव में खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। संसाधनों की कमी के बावजूद संदीप ने कभी अपनी पढ़ाई से समझौता नहीं किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल में हुई, जिसके बाद उन्होंने माध्यमिक शिक्षा के लिए अंजनिया गांव के स्कूल का रुख किया। संदीप की प्रतिभा स्कूल के दिनों से ही दिखने लगी थी। उन्होंने हाई स्कूल और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा उत्कृष्ट विद्यालय छपारा से पूरी की। इसके बाद वर्ष 2012 में AIEEE परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रदेश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान SGSITS (सेठ गोविंद दास इंस्टीट्यूट) इंदौर में दाखिला लिया। वर्ष 2016 में सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के ठीक एक साल बाद, 2017 में उनका चयन जल संसाधन विभाग में एसडीओ के पद पर हो गया।

संदीप की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य श्री एम.के. रहमतकर, उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षकों और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उनकी यह सफलता आज उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो छोटे गांवों से निकलकर बड़े सपने देखते हैं। जो रविवार को अपने ग्रह ग्राम पहुंचेंगे जिनका छपारा में जोरदार स्वागत भी किया जाएगा

नौकरी के साथ जारी रखा लक्ष्य का पीछा

भोपाल में एसडीओ जैसे जिम्मेदारी भरे पद पर कार्यरत होने के बावजूद संदीप का लक्ष्य प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने नौकरी की व्यस्तताओं के बीच समय निकाला और निरंतर यूपीएससी की तैयारी करते रहे। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता और पत्नी को देते हुए कहा कि परिवार के संबल के बिना यह मुकाम हासिल करना मुमकिन नहीं था।

एक नजर में

संकट मोचन हनुमान मंदिर में हुई चोरी

सिवनी। कान्हीवाड़ा से बरघाट रोड में स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर आज सुबह दान पेटी का ताला तोड़ हजारों रूपये नगदी चोरों द्वारा चुरा लिए। चोरों के हौसले बुलंद क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद अब मंदिरों में भी हाथ मारने का काम कर रहे चोर। विगत दिनों सिंचाई विभाग कार्यालय में भी हुई चोरी का आज तक खुलासा नहीं कर पाई पुलिस नहीं पकड़ पाई चोरों को पुलिस क्षेत्र में कई असामाजिक तत्वों का जमघट लगा हुआ है जिनकी कोई जानकारी नहीं। उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र और बिहार प्रांत से थाना क्षेत्रों में आकर रह रहे हैं लोग पुलिस इन लोगों से अनजान ग्राम पंचायत का भी संरक्षण प्राप्त है बाहरी लोगों को बाल में बर्तन देने वाले लोगों का गिरोह पूरे क्षेत्र में बिना रोक टोक के घूम रहे हे ओर पूरे क्षेत्र का मुआयन कर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे है। कबाड़ा खरीदने वालो की भी इन दिनों बाड़ सी आ गई हे बिना परमिट, बिना कागज वाले ऑटो में घूम घूम कर कवाड खरीदने का काम करने वाले दिनबहर कबाड़ खरीदी करते ओर पूरे क्षेत्र का मुआयना कर रात में चोरी की घटना को अंजाम देते हे नगर के रहवासियों ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया कि चोरी की घटना रोकने हेतु कबाड़ खरीदने वालो, बाल मे बर्तन देने बालो से कड़ाई सा पूछताज कर कार्यवाही की जाएद्य

डॉ विकास विश्वकर्मा बने प्रांत संगठन मंत्री होम्योपैथिक चिकित्सक संघ की राज्य शाखा की कार्यकारिणी का विस्तार

सिवनी। जबलपुर होम्योपैथिक चिकित्सक संघ की मध्यप्रदेश राज्य शाखा की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कई नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में संघ की राज्य शाखा द्वारा जारी सूचना के अनुसार 1 मार्च 2026 को इंदौर में आयोजित बैठक में संगठन के विस्तार का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश स्तर पर संगठन को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई। कार्यकारिणी विस्तार के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. बी. पुल यादव (इंदौर) तथा डॉ. एम. पी. सिंह (इंदौर) को दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही प्रांतीय उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अयूब अली (भोपाल), डॉ. अशोक अग्रवाल (सतना) तथा डॉ. शैलेन्द्र खांडेकर (छिंदवाड़ा) को नियुक्त किया गया है। प्रांतीय संगठन मंत्री के रूप में डॉ. तुलसाराम लडिया (जबलपुर), डॉ. अमित चौधरी जैन (इंदौर), डॉ. विवेकानंद नामदेव (जबलपुर), डॉ. विकास विश्वकर्मा (जबलपुर) तथा डॉ. राजेश गुप्ता (ग्वालियर) को दायित्व दिया गया है। वहीं प्रांतीय सह सचिव पद पर डॉ. बिंदेश साहू (जबलपुर) और डॉ. सीमा शर्मा (जबलपुर) को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एमपीपीएससी मे सीमा कोहरू का चयन

सिवनी। मेहनत यदि पूरे लगन से की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है. इसका उदाहरण है सिवनी निवासी श्रीमती सीमा कोहरू जिन्होने पहले ही प्रयास में एमपीपीएससी परीक्षा मे सफलता हासिल की है। शासकीय महाविद्यालय बरघाट मे अतिथि विद्वान् की सेवा देने के साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए एमपीपीएससी जैसे कठिन लक्ष्य को पहले प्रयास मे हासिल करना निश्चित ही सफलता की मिसाल है. ज्ञात हो की सहायक प्राध्यापक 2022 का परीक्षा परिणाम (लाइब्रेरी साइंस) घोषित हो गया है। ज्ञात हो कि श्रीमती सीमा कोहरू जिले के जाने माने शिक्षक आर पी कोहरू (स्काउट कमिश्नर) और शिक्षिका श्रीमती कमलेश्वरी कोहरू की पुत्रवधू एवं इलेक्ट्रोनिक मिडिया के वरिष्ठ पत्रकार रुपेश कोहरू की धर्मपत्नी है।

सुविधाओं का सदुपयोग कर क्षेत्र का नाम रौशन करें : दिनेश राय मुनमुन

सिवनी नवभारत। विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पुरुष एवं महिला वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता मे अतिथि के रूप मे सहभागिता किया। आज नगर मिशन स्कूल मैदान मे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत नवाचार अंतर्गत जिले मे पारंपरिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु जिला पंचायत सिवनी द्वारा दोपहर 12ः30 बजे से आयोजित पुरुष एवं महिला वर्ग कबड्डी खेल प्रतियोगिता मे भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन* ने अतिथि के रूप मे सहभागिता किया। और मैदान मे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया। जहां आयोजित कार्यक्रम मे विभागीय अधिकारियों द्वारा आपका अतिथि सत्कार किया गया। इस दौरान विधायक दिनेश राय मुनमुन ने अपने आशीर्वचन संबोधन मे कहा कि प्यारे बच्चों आज संसाधनों की कमी नही है लेकिन जब हम छोटे थे तो हमारे पास मैदान पर चूने की लाईन डालने तक के पैसे नही होते थे। तो हम लकड़ी से जमीन पर लकीर खींचकर अपना कबड्डी कोर्ट तैयार करते थे। ऐसे हमने जीवन की शुरुआत किया आज आपको किट के साथ आवश्यक सुविधाएं मिल रही है। इसका सदुपयोग करें।

इंस्टाग्राम पर सिवनी का पहला रेडियो पेज लाने वाली आरजे शिराली नेमा

शिराली नेमा हफ्ते में एक दिन किसी प्रतिभाशाली व्यक्ति का इंटरव्यू करती हैं

सिवनी नवभारत। सिवनी की धरती हमेशा से ही नई प्रतिभाओं को जन्म देती रही है। इन्हीं में से एक हैं शिराली नेमा जिन्हें लोग मिस बकबक, आरजे शिराली और एक सफल पत्रकार के रूप में पहचानते हैं। लेकिन उनके व्यक्तित्व को एक ही नाम में सीमित करना आसान नहीं है। वह पत्रकार हैं, लेखिका हैं, फिटनेस इंस्ट्रक्टर हैं, एंकर हैं और सबसे अहम लोगों की प्रेरणा हैं। उनका इंस्टाग्राम पर रेडियो पेज है जो सिवनी जिले का पहला इंस्टाग्राम रेडियो पेज है, जिसे वो होस्ट करती हैं। डेली लाइव शो होते हैं। हफ्ते में एक बार किसी न किसी स्किलफुल या प्रतिभाशाली लोगों का इंटरव्यू लेती हैं, उन्हें प्लेटफार्म प्रोवाइड करवाती है। शिराली नेमा जर्नलिस्ट है, वो विनायक न्यूज़ मध्यप्रदेश के साथ वर्क करती हैं। उन्होंने दो किताबें लिखी हैं जिसका नाम है व्हाट इफ आई एम ए जर्नलिस्ट, येलो मेंगो उनकी बुक फ्लिपकार्ट और अमेजॉन पर भी उपलब्ध है।

इनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा शिव की नगरी सिवनी से हुई। उन्होंने 12वीं तक सिवनी से ही पढ़ाई की उसके बाद आगे की पढ़ाई उन्होंने बाहर से की। उन्होंने बताया मॉर्निंग रिचुअल्स की बात करें तो वो सुबह उठते ही ग्रेटीट्यूड करती हैं। वो कहती हैं कि सभी को ग्रेटीट्यूड करना चाहिए। जो चीज हमारे पास है उसको लेकर कृतज्ञ होना चाहिए, थैंक्स बोलना चाहिए। उसके बाद वो गर्म पानी पीती हैं, स्ट्रेचिंग और योगा करती है। इनके पिताजी का नाम महेश कुमार नेमा है, वो लोकल फंड एडिटर थे। अभी वर्तमान में वो फुटबॉल स्टेडियम के सचिव हैं। पिताजी से उन्होंने बहुत कुछ सीखा, उन्हीं से फिट रहना भी सीखा। उनकी माताजी हाउसवाइफ है उन्होंने बताया की माताजी बहुत अच्छा खाना बनाती हैं।

उन्होंने शुरुआत एडवरटाइजमेंट कंपनी से किया। उसके बाद एक नई मैगजीन में गई फिर नई दुनिया में काम करी उसके बाद आईबीएन 9 न्यूज़ चैनल पर न्यूज़ मैनेजर, स्क्रिप्ट राइटर और एंकर का रोल अदा की। उन्होंने सोचा मेरे होमटाउन सिवनी में रेडियो स्टेशन नहीं है तो उन्होंने इंस्टाग्राम प्लेटफार्म को रेडियो चलाने में यूज किया, क्योंकि इंस्टाग्राम पर हर उम्र के आदमी है। को-पार्टनर के तौर पर विनायक न्यूज़ मध्य प्रदेश के साथ वर्क कर रही है। उन्होंने बताया मेरे आइडियल मेरे नाना जी रहे हैं। मैंने शुरू से ही उनको बहुत मेहनत करते देखा है।

उन्होंने सिखाया है कि प्रोफेशन लाइफ और पर्सनल लाइफ को अलग-अलग रखें। उन्होंने अपने नाना जी से सीखा कि रिलेशनशिप कैसे निभाते हैं। नाना जी उन्हें छोटी-छोटी चीजों के लिए मोटिवेट करते हैं। माताजी-पिताजी एवं उनके पति बहुत मोटिवेट करते हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल मेरे सबसे बड़े मोटीवेटर मेरे हस्बैंड है और नाना जी आइडियल तो है ही।

इंदौर से पत्रकारिता में मास्टरी करी

शिराली नेमा को बोलने का बहुत शौक है, उन्हें रेडियो पर आरजे शिराली के नाम से कम और मिस बकबक के नाम से ज्यादा जाना जाता है। उन्हें बचपन से ही बोलने का बहुत शौक था उन्होंने बताया कि हमारे घर में शादी के कार्ड आते थे उसको मैं ऐसा पढ़ती थी जैसा न्यूज़ पढ़ते हैं। उन्हें बचपन से ही इंट्रेस्ट जागा। उन्होंने अपना ग्रेजुएशन जबलपुर से किया है। वहां पर कम्युनिकेशन का एक सब्जेक्ट था, वहां से उनकी रुचि और बड़ी और उन्होंने इंदौर से पत्रकारिता में मास्टरी करी। जिसे पोस्ट ग्रेजुशन कहते हैं। उन्हें खाना-पीना, घूमना-फिरना पसंद है। साथ ही बॉलीवुड की खबरों पर बहुत ज्यादा रुचि लेती हैं। हेल्थ टिप्स पर ज्यादा ध्यान रखती हैं।

डॉ. रश्मि नेमा को महिला दिवस पर आयुर्वेद गुरु पुरस्कार

छिंदवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयुर्वेद फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में छिंदवाड़ा की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि नेमा को आयुर्वेद गुरु पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भारती कुमार मंगलम के कर-कमलों से प्रदान किया गया। डॉ. नेमा ने छिंदवाड़ा एवं जयपुर में अब तक 104 निःसंतान दंपतियों का सफल उपचार कर सरकार के सुप्रजा अभियान को नई दिशा और गति प्रदान की है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्त्री एवं प्रसूति विभाग में एक महत्वपूर्ण शोध पत्र भी प्रस्तुत किया, जिसे उल्लेखनीय माना जा रहा है।

मुस्लिम विकास परिषद की जिला कार्यकारिणी घोषित

साजिद खान सज्जू की टीम समाज के शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान पर देगी जोर

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश मुस्लिम विकास परिषद ने जिले में अपने संगठन को नई ऊर्जा देने और सामाजिक सरोकारों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से अपनी नई जिला कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मोहम्मद माहिर (भोपाल) के दिशा-निर्देशों और प्रदेश महामंत्री शोएब राजा के अनुमोदन के पश्चात, जिला अध्यक्ष साजिद खान (सज्जू) द्वारा नई टीम की सूची जारी की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस नई कार्यकारिणी का गठन केवल सांगठनिक विस्तार नहीं है, बल्कि समाज के पिछड़े तबकों को शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की एक मुहिम है। जिले के विभिन्न अंचलों से सक्रिय और कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ताओं को चुनकर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं, ताकि परिषद का प्रभाव जमीनी स्तर तक पहुँच सके।

घोषित नई टीम में पारदर्शिता और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दी गई है। कार्यकारिणी में निम्नलिखित विभागों के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। उपाध्यक्ष एवं महामंत्री सचिव, सह-सचिव और कार्यालय प्रभारी, वित्तीय एवं विधिक प्रबंधन- कोषाध्यक्ष और लीगल एडवाइजर, प्रसार एवं मार्गदर्शन- मीडिया प्रभारी, संरक्षक एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला अध्यक्ष साजिद खान (सज्जू) ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता समाज में शिक्षा का प्रसार करना और युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। हम संगठन के संविधान के दायरे में रहकर न केवल मुस्लिम समाज, बल्कि सभी धर्मों और वर्गों के साथ मिलकर आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करेंगे। राष्ट्रहित और समाजहित ही हमारा सर्वोपरि लक्ष्य है। वहीं लखनादौन क्षेत्र से जाबिद खान को जिम्मेदारी मिली है।

09 मार्च से प्रारम्भ होगी नि :शुल्क कोचिंग

सिवनी नवभारत। NEET EXAM के द्वितीय अवसर के आवेदन करने की अंतिम तिथि 08 मार्च 2026 है। समस्त हायर सेकेण्डरी विद्यालय प्राचार्यों एवं शिक्षकों से अनुरोध है कि कक्षा 12वीं में जीव विज्ञान संकाय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से आवेदन करावें। NEET का फार्म भरने वाले विद्यार्थी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी द्वारा जारी गूगल शीट में अपनी जानकारी अवश्य देवें। विद्यार्थियों को 09 मार्च 2026 से परीक्षा दिवस तक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी से निःशुल्क कोचिंग कराई जावेगी। कोचिंग का टाईम टेबल शीघ्र ही जारी किया जावेगा। कोचिंग दोनों मोड में संचालित होगी, ऑफलाइन तथा ऑनलाइन। जो विद्यार्थी ऑफलाइन मोड में पढना चाहेंगे वे उत्कृष्ट विद्यालय में बैठकर अध्ययन कर सकेंगे। अन्य विद्यालयों के वे विद्यार्थी जिनकी जानकारी उत्कृष्ट विद्यालय द्वारा जारी गूगल शीट में होगी वे विद्यार्थी भी उत्कृष्ट विद्यालय में बैठकर कोचिंग का लाभ ले सकेंगे। जो विद्यार्थी ऑनलाइन मोड में पढना चाहेंगे वे अपने कम्प्यूटर/टी.वी. मोबाईल के माध्यम से इस विद्यालय से जारी यू-ट्यूब लिंक से जुड़कर अध्ययन कर सकेंगे। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी की लाईब्रेरी में कोचिंग हेतु अध्ययन सामग्री उपलब्ध है, जिसका लाभ विद्यार्थी लाईब्रेरी में बैठकर ले सकेंगे। लाईब्रेरी में कई प्रकाशनों की अध्ययन सामग्री के साथ-साथ कोटा के प्रतिष्ठित संस्थान की नोट्स भी उपलब्ध हैं। जिले के विद्यालयों की कक्षा 12वीं के जीव विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों से कोचिंग का लाभ लेने की अपील की है।

आयोजन नागपुर सहित नगर के विशेषज्ञों ने दिए परामर्श, स्व. डी. पी. चतुर्वेदी की जन्म जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित

डीपी चतुर्वेदी महाविद्यालय में ब्लड डोनेशन कैंप व जांच शिविर संपन्न

सिवनी नवभारत। नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था डी. पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय. बारापत्थर (सिवनी) में संस्था के संस्थापक स्व. डी. पी. चतुर्वेदी की जन्म जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें 5 मार्च को वृद्ध आश्रम में भोजन व्यवस्था तथा 6 मार्च को ब्लड डोनेशन कैंप एवं नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों सहित गणमान्य नागरिकों ने रक्तदान किया।

इसी तारतम्य में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में नागपुर के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अंबर दवारे (एम.एस. अस्थि रोग विशेषज्ञ), डॉ. मानसी ठाकुर (एम.एस. प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अंकित दवारे (एम.सी.एच. न्यूरो सर्जन), डॉ. केतकी अंबुलकर (एम.डी. मेडिसिन), डॉ. सानिका ठाकुर (एम.डी. एस. प्रोस्थोडॉन्टिक्स / दंत चिकित्सक), डॉ. योगेश पटेल (ऑप्टोमेट्रिस्ट), डॉ. गजेंद्र डहरवाल (आयुर्वेदिक चिकित्सक), डॉ. भूपेंद्र मिश्रा (होम्योपैथी एवं त्वचा रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. नितिनकटरे (बी.एच.एम. एस.) ने लगभग 300 लोगों की जांच कर उचित परामर्श दिए।

इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ. के. के. चतुर्वेदी ने डॉक्टर के पेशे को मानवीय मूल्य स्थापित करने वाला बताया। नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जांच के दौरान एक बच्चे के घुटने में चोट के कारण खून का थक्का जम गया था, जिसे निकालकर उस बच्चे को राहत प्रदान की गई। एक महिला जो

एनीमिया से ग्रस्त थी उसे नि:शुल्क मल्टीविटामिन दिए गए। इसी प्रकार सैकड़ो मरीज का इलाज किया गया।

श्री चतुर्वेदी ने बताया कि कोरोना काल में डॉक्टरों द्वारा नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा एवं बलिदान उन्हें सदैव स्मरणीय बनाए रखेंगे। डॉ. अंबर दबारे ने 45 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक 6 माह में महिला एवं पुरुष दोनों को स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। डॉ. केतकी अंबुलकर ने लोगों को 35 वर्ष की आयु के बाद बढ़ते मोटापे को नियंत्रित करने हेतु थोड़ा-थोड़ा 3-4 बार भोजन करने की सलाह दी। दिन में 3-4 लीटर पानी सभी के लिए अनिवार्य बताया। साई नेत्रा के डॉ. पटेलने बताया कि मोबाइल के अधिक इस्तेमाल के कारण आंखों की समस्या बढ़ रही है, इसलिए समय-समय पर आंखों की जांच कराना आवश्यक है। डॉ. मानसी ठाकुर ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान सतर्कता बरतने एवं समय-समय पर आवश्यक जांच कराने की सलाह दी। डॉ. भूपेंद्र मिश्रा ने तकनीकी के बदलते परिवेश में चिकित्सा क्षेत्र की नवीन विकसित तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्था की प्राचार्य डॉ. अमिता चतुर्वेदी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आगामी वर्षों में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नर्सिंग स्टाफ में प्रो. अलका मिश्रा, प्रो. सुमित सनोडिया, प्रो. छाया राकेशिया, प्रो. रेखा बिसेन प्रो. भारती सनोडिया सहित समस्त स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विक्रांत सिंह एवं एनसीएसटी के सहयोग से बंधुआ मजदूरी से मुक्त करायें मजदूर

ह्यमध्यप्रदेश के बैतूल जिला के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र भीमपुर से रोजगार की तलाश में तमिलनाडु गए 24 जनजातीय मजदूरों को बंधुआ मजदूरी के चंगुल से मुक्त कराया गया है। ये सभी मजदूर तमिलनाडु के इरोड जिला में गन्ने के खेतों में कटाई का काम करने गए थे, जहां उनसे दशहरा से जबरन काम करवाया जा रहा था और उन्हें बंधुआ मजदूरों की तरह रखा गया था। जानकारी के अनुसार मजदूरों को अधिक मजदूरी और बेहतर रोजगार का लालच देकर दक्षिण भारत ले जाया गया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उनसे लगातार कठिन श्रम कराया जा रहा था और उन्हें स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति भी नहीं दी जा रही थी। उनका शारीरिक एवं मानसिक शोषण हो रहा था। मजदूरों की स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही थी और वे अपने घर लौटने में भी असमर्थ हो गए थे।

इस गंभीर मामले की सूचना मिलते ही वनवासी कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता विक्रांत सिंह कुमरे ने तुरंत सक्रियता दिखाई। उन्होंने देर रात ही तमिलनाडु पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी और मजदूरों को तत्काल मुक्त कराने की मांग की।

अधिवक्ता विक्रांत सिंह कुमरे ने सीधे तमिलनाडु पुलिस के शीर्ष अधिकारियों वेंकटरमण तथा लॉ एंड ऑर्डर महेश्वर दयालजी से चर्चा की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर सभी 24 मजदूरों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया।

इस पूरी कार्रवाई में National Commission for Scheduled Tribes (NCST) का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिससे यह सुनिश्चित किया गया कि मजदूरों को सुरक्षित तरीके से मुक्त कराया जाए और उनके अधिकारों की रक्षा हो सके।

मुक्त कराए गए सभी मजदूर मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के जनजातीय क्षेत्र भीमपुर के निवासी हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण वे रोजगार की तलाश में तमिलनाडु गए थे, लेकिन वहां उन्हें शोषण और बंधन का सामना करना पड़ा। समय पर हस्तक्षेप होने से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मुक्त होने के बाद मजदूरों ने तमिलनाडु पुलिस, एनसीएसटी और सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता विक्रांत सिंह कुमरे का हृदय से आभार व्यक्त किया। मजदूरों ने कहा कि समय पर सहायता मिलने से वे एक बड़ी मुसीबत से बाहर निकल सके।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता विक्रांत सिंह कुमरे लंबे समय से जनजातीय समाज और मजदूरों के अधिकारों के लिए कार्य कर रहे हैं। इससे पहले भी वे देश के विभिन्न राज्यों से 350 से अधिक मजदूरों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनके इस कार्य की सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।